व्यवसाय प्रशासन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2026

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2026 से 30th दिसम्बर, 2026

चतुर्थ सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

व्यवसाय प्रशासन में स्नातक

(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य 2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक ट्यूटर मार्क्ड असाइनमेंट करना होगा । हम आपको BCOE-143, BCOE-144, ECO-13 और BMP-001 के सत्रीय कार्य एक साथ भेज रहें हैं ।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. ई. -143**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय प्रबंध के मूल तत्व**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ. ई.-143/टी. एम. ए./2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. वित्तीय प्रबंधन के उद्देश्यों एवं कार्यों की व्याख्या कीजिए। संपत्ति अधिकतमकरण (Wealth Maximisation) का उद्देश्य निवेश, वित्तपोषण तथा लाभांश नीति के क्षेत्रों में वित्तीय निर्णयों को किस प्रकार मार्गदर्शन प्रदान करता है? अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। (10)

2. पूँजी बजटिंग (Capital Budgeting) प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन कीजिए। पूँजी निवेश निर्णयों पर धन के समय मूल्य (Time Value of Money) के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। (10)

3. एक परियोजना के लिए ₹5,00,000 का प्रारंभिक निवेश आवश्यक है तथा उससे पाँच वर्षों तक प्रतिवर्ष ₹1,60,000 की नकद आमदनी अपेक्षित है। फर्म की पूँजी लागत 12% है। (10)

(क) परियोजना का शुद्ध वर्तमान मूल्य (Net Present Value – NPV) तथा लाभप्रदता सूचकांक (Profitability Index – PI) की गणना कीजिए।

(ख) निवेश निर्णय बताइए तथा अपने उत्तर का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

4. पूँजी लागत क्या है? पूँजी बजटिंग निर्णयों में भारित औसत पूँजी लागत (Weighted Average Cost of Capital – WACC) के महत्व की व्याख्या कीजिए। (10)

5. पूँजी संरचना के शुद्ध आय (Net Income – NI) तथा शुद्ध परिचालन आय (Net Operating Income – NOI) दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए। ये दृष्टिकोण लीवरेज, पूँजी लागत तथा फर्म के मूल्य के बीच संबंध को किस प्रकार स्पष्ट करते हैं? (10)

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं)

6. बांड मूल्यांकन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। ₹1,000 अंकित मूल्य (Face Value) वाला एक बांड 9% कूपन दर वहन करता है तथा उसकी परिपक्वता अवधि 6 वर्ष है। यदि बाजार ब्याज दर 11% है, तो बांड का बाजार मूल्य ज्ञात कीजिए। (6)

7. वित्तीय लीवरेज क्या है? एक फर्म का EBIT ₹4,00,000 है तथा ब्याज व्यय ₹1,20,000 है। (6)

(क) वित्तीय लीवरेज की डिग्री (Degree of Financial Leverage – DFL) की गणना कीजिए।

(ख) बताएं की परिणाम फर्म के वित्तीय जोखिम के बारे में क्या दर्शाता है ? स्पष्ट कीजिए।

8. गॉर्डन लाभांश वृद्धि मॉडल (Gordon Dividend Growth Model) की व्याख्या कीजिए। यह मॉडल किन मान्यताओं पर आधारित है? (6)

9. जोखिम एवं प्रतिफल को परिभाषित कीजिए। जोखिम और अपेक्षित प्रतिफल के बीच संबंध की व्याख्या कीजिए। (6)

10. एक खुदरा फर्म लाभप्रद संचालन के बावजूद बार-बार नकदी की कमी का सामना कर रही है। इस स्थिति के आधार पर कार्यशील पूँजी (Working Capital) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। (6)

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

11. **निम्लिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:** (10)

(क) धन का समय मूल्य (Time Value of Money)

(ख) पूँजी राशनिंग (Capital Rationing)

12. **निम्नलिखित के बीच अंतर करे:** (10)

(क) लाभ अधिकतमकरण (Profit maximisation) एवं संपत्ति अधिकतमकरण (Wealth maximisation)

(ख) शुद्ध वर्तमान मूल्य (Net Present Value) एवं आंतरिक प्रतिफल दर (Internal Rate of Return)